● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...

02 पटना पहुंचने पर जेपी नड्डा का किया गया जोरदार स्वागत

04 केविवि के छात्र का रांची के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान में चयन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 06 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 245

गरीबों का पैसा न लूटने दूंगा और न ही कांग्रेस के नेताओं को तिजोरी भरने दूंगा : नरेन्द्र मोदी

जनधन, आधार, मोबाइल की त्रिशक्ति से तहस-नहस हो गया कांग्रेस का भ्रष्ट तंत्र

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि न गरीबों का पैसा लूटने दूंगा और न ही कांग्रेस के नेताओं की तिजोरी भरने दूंगा। हमने जनधन, आधार और मोबाइल की ऐसी त्रिशक्ति बनाई, जिससे कांग्रेस का भ्रष्ट तंत्र तहस नहस हो गया। आज गरीबों का पैसा गरीबों के हित में लग रहा। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले हजारों करोड़ के घोटाले हेडलाइन बना करते थे। गरीबों पर खर्च होने वाला पैसा कांग्रेस नेताओं की तिजोरियों में जा रहा था। हमने कांग्रेस सरकार की बनाई भ्रष्ट व्यवस्थाओं को बदलने का अभियान चलाया। आज जिन परियोजना का शुभारंभ हुआ है, वह देश की दशा और दिशा को बदलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को वीरांगना रानी दुर्गावती के जयंती के अवसर पर जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान का शिलान्यास किया। साथ ही मंच से ही देश के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 12 हजार 600 करोड़ की विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आज जबलपुर का एक नया ही रूप देख रहा हूं। मैं देख रहा हूं, जबलपुर में जोश है। महाकौशल में मंगल है, उमंग है, उत्साह है। ये जोश और ये उत्साह दिखाता है कि महाकौशल के मन में क्या है? आज पूरा देश वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती मना रहा है। दुनिया के किसी देश में रानी दुर्गावती होती तो वो देश दुनिया में उछल कूद करता, लेकिन हमारे देश में ऐसे महापुरुषों को भुला दिया गया। उनका स्मारक बनने के बाद हिंदुस्तान की हर माता, हर जन का यहां आने का मन करेगा। मैं पूरे आदिवासी समाज को, मध्य प्रदेश को और 140 करोड़ देशवासियों को बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है, हमारी बहनों को धुएं से मुक्ति देना। क्या ये काम कांग्रेस नहीं कर सकती थी। कांग्रेस को माता-बहनों के स्वास्थ्य की परवाह नहीं थी। हमने इसलिए बड़ा अभियान चलाकर उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिया। देश को पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति देने का सौभाग्य भी भाजपा को मिला। आजादी के बाद दशकों तक जो दल सरकार में बैठा रहा, उसने एक ही काम किया, एक ही परिवार की चरण वंदना की। देश की परवाह नहीं की। देश को आजादी सिर्फ एक परिवार ने नहीं दिलाई थी, देश का विकास सिर्फ एक ही परिवार ने नहीं किया है।

सिक्किम में बादल फटने भारी तबाही, 14 की मौत 100 से ज्यादा लोग लापता

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर का खूबसूरत राज्य सिक्किम इस समय प्राकृतिक आपदा की भीषण मार से बेहाल है। सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि में बादल फटने के बाद मंगलवार की सुबह से आशंकाओं के बादल अब तक घिरे हुए हैं। बुधवार सुबह तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग लापता हैं। इनमें सेना के भी 23 जवान शामिल हैं।

मंगलवार भोर के समय उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर बादल फटा, जिसके बाद तीस्ता नदी में बड़े पैमाने पर सैलाब आ गया। इसके चलते तीस्ता नदी के किनारे बने घर, मकान धाराशायी हो गए। 14 पुल टूट गए। नदी किनारे खड़े वाहन नदी के तेज बहाव में बह गए। इसमें नदी किनारे बने एक अस्थायी कैंप में रह रहे सेना के 23 जवान भी शामिल हैं। अभी लापता लोगों की सही सही संख्या का केवल अनुमान ही लगाया जा सका है। यहां पर करीब तीन हजार से अधिक पर्यटक भी सड़क आदि टूट जाने से अनेक स्थानों पर फंस गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट पर सिक्किम की आपदा पर गंभीर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि "सिक्किम के मुख्यमंत्री पी. एस. तमांग से बात की और राज्य के कुछ हिस्सों में दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक आपदा से पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की। चुनौतियों का सामना करने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। मैं सभी प्रभावितों की सुरक्षा और कुशलता की प्रार्थना करता हूं।"

'केजरीवाल ने जिन्हें दिया ईमानदारी का सर्टिफिकेट वे लोग जेल में हैं' – अनुराग

रायपुर/नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल सरकार पर हमलावर है। गुरुवार को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि 'केजरीवाल ने जिन लोगों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट जारी किया, वे सब जेल में हैं।' गुरुवार को छत्तीसगढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोग अरविंद केजरीवाल पर हंस रहे हैं उनके चेहरे का तनाव देख रहे हैं।

केजरीवाल के साथी उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, विधायक जेल में हैं। ये वे लोग हैं जो राजनीति में भ्रष्टाचार को हटाने के लिए आए थे लेकिन खुद भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। ठाकुर ने कहा कि इस भ्रष्टाचार का किंगपिन अभी बाहर है, किंगपिन का नंबर भी आएगा। जिस-जिस को अरविंद केजरीवाल ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटते रहे वे एक साल से जेल में हैं। कोर्ट ने मामलों की गंभीरता देखते हुए उन्हें जमानत देने योग्य भी नहीं समझा। भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि खुले आम भ्रष्टाचार करना ही अरविंद केजरीवाल सरकार की प्रकृति है। केजरीवाल सरकार ने करोड़ों का घोटाला किया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा धार के मोहनखेड़ा पहुंची, तीर्थस्थल पर किया पूजन

भोपाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को एक दिवसीय मध्य प्रदेश के प्रवास पर धान जिले के मोहनखेड़ा पहुंची हैं। उन्होंने यहां मोहनखेड़ा में प्रसिद्ध जैन तीर्थस्थल पहुंचकर माथा टेका और पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे राजगढ़ के लिए रवाना हो गईं, जहां कांग्रेस की जनआक्रोश रैली की सभा को भी संबोधित करेंगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को सुबह विमान से इंदौर आईं और यहां दोपहर करीब 12.00 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा मोहनखेड़ा स्थित हेलीपैड पर पहुंची, जहां कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी, विधायक प्रताप ग्रेवाल, उमंग सिंगार, पांचीलाल मेड़ा, कुणाल चौधरी, वालसिंह मेड़ा पेटलावद, रवि जोशी खरगोन, जिला प्रभारी हेमंत पाल ने उनका स्वागत किया। वहीं, एक अन्य हेलीकॉप्टर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला एवं सुरेश पचौरी भी मोहनखेड़ा पहुंचे। प्रियंका हेलीपेड से सीधे मोहनखेड़ा स्थित गुरु मंदिर पहुंचकर दर्शन वंदन किया एवं तीर्थ परिसर में ट्रस्टों से करीब 10 मिनट तक चर्चा की। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी मौजूद रहे। मोहनखेड़ा तीर्थ में दादा गुरुदेव के दर्शन-वंदन करने के बाद उनका काफिला राजगढ़ में पहुंच गया।

बैमनस्य जनता की आवाज उठाने पर झूठे मुकदमे में जेल भेजा जा रहा है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भाजपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आआपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और सांसद संजय सिंह की अविलंब रिहाई की भी मांग की गयी है।

आम आदमी पार्टी मुख्यालय में आआपा के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार आगामी चुनावों में हार की डर से भयभीत है। इसलिए विपक्षी नेताओं को जांच एजेंसियों से डरा रही है। लेकिन आप कार्यकर्ता और नेता मोदी सरकार से डरने वाले नहीं हैं। हम डटकर उसका सामना करेंगे। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने भी संजय सिंह की गिरफ्तारी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि चाहे विपक्षी नेता हों या पत्रकार, सरकार के विरोध में बोलने वालों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। जांच एजेंसियों का मोदी सरकार दुरुपयोग कर रही है। आतिशी ने कहा कि जांच एजेंसी के पास संजय सिंह के विरुद्ध कोई सबूत नहीं है। सिर्फ सरकार के विरोध में बोलने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है। आआपा नेता नेता सौरभ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर विपक्ष जनता की आवाज उठा रहा है तो उन्हें झूठे मुकदमे में जेल भेजा जा रहा है।

अगले साल 2024 के चुनाव तक केंद्र सरकार कई विपक्षी नेताओं को जेल भेज देगी ताकि कोई जनता के लिए ना बोले, जिससे भाजपा आसानी से चुनाव जीत सके, लेकिन ऐसा होने वाला नहीं है। बुधवार को संजय सिंह से शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि संजय सिंह जांच में टीम का सहयोग नहीं कर रहे थे जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

लालू यादव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद पहला आरक्षण राबड़ी को दिया: सम्राट चौधरी

पटना। बिहार भाजपा के भीष्म पितामह कैलाशपति मिश्र की 100वीं जयंती कार्यक्रम में गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू जब मुख्यमंत्री बने तब भी आरक्षण नहीं दिया। उन्होंने पहला आरक्षण राबड़ी को दिया। दूसरा तेज प्रताप, तीसरा तेजस्वी व चौथा मीसा भारती को दिया। सम्राट ने कहा कि जातीय आरक्षण से लोगों को गुमराह किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि लालू यादव के दबाव में केवल एम-वाई समीकरण का ख्याल गणना में रखा गया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जयंती हमलोग मनाएंगे।

राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने कहा कि देश में ओबीसी का चेहरा नरेन्द्र मोदी हैं। भाजपा ने नोनिया समाज की रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया। हरी सहनी को नेता प्रतिपक्ष बनाया। क्या नीतीश व तेजस्वी यादव इस्तीफा देकर अति पिछड़ा को मुख्यमंत्री बनाएंगे? गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव ने महिलाओं के 33 प्रतिशत के आरक्षण को हटा दिया और कर्पूरी ठाकुर के फार्मूले को भी हटाया। मंडल कमीशन आया था तो वीपी सिंह को कैलाशपति मिश्रा का समर्थन मिला। लालू व नीतीश को कैलाशपति मिश्र ने मुख्यमंत्री बनवाया। यदि वो नहीं होते तो ये मुख्यमंत्री नहीं बनते। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने पार्टी की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। कहा कि भाजपा बिहार में कैलाश पति मिश्र की विचारधारा से भटक गई है।

सांसद पिंटू ने जातीय गणना पर उठाए सवाल

पटना। बिहार में सीतामढ़ी लोकसभा से जनता दल यूनाइटेड के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने अपनी ही सरकार पर जाति जनगणना के सर्वे पर सवाल उठाएं है। उन्होंने कहा कि तेरी समाज इस जातीय गणना को नहीं मानता है। जदयू सांसद पिंटू ने कहा है कि जातीय गणना में तेली समाज के लोगों के साथ गड़बड़ी की गयी है. सांसद ने कहा है कि उनके समाज के लोग इस गणना को खारिज करते हैं।

सांसद सुनील कुमार पिंटू ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने बीते दो अक्टूबर को जातीय गणना की जो रिपोर्ट जारी की है वह सही नहीं है।सांसद सुनील कुमार पिंटू ने कहा है कि वे तेली समाज के संयोजक हैं और उन्होंने सभी जिलों में अपने समाज के लोगों से बात की है। सारे जिलों से ये जानकारी दी गयी है कि कई जगहों पर तेली समाज के मोहल्ले और टोलों की गिनती ही नहीं की गयी और आंकड़े गढ़ लिये गये। सांसद सुनील कुमार पिंटू ने कहा कि जातीय गणना की रिपोर्ट में तेली समाज की तादाद 2.81 प्रतिशत बतायी गयी है जो पूरी तरह से गलत है। इसलिए तेली समाज के लोग इस जातीय गणना को खारिज करते हैं।सांसद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा है कि वह फिर से जातीय गणना करायें।अभी की गणना को तेली समाज के लोग नहीं मानेंगे। कहा कि जातीय गणना की रिपोर्ट के खिलाफ 8 अक्टूबर को पटना में तेली समाज के लोगों को बुलाया है। इसमें सारे जिले के लोग शामिल होंगे, जो बतायेंगे कि उनके समाज के लोगों की गिनती नहीं हुई। इसका एक पूरा ड्राफ्ट तैयार कर नीतीश कुमार को दिया जायेगा।

बस ने दो मोटरसाइकिल में मारी टक्कर दो की हो गयी मौत, तीन लोग घायल

नवादा। नवादा में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 20 पर नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नहर पर बुधवार की देर शाम एक बस ने दो बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी है। मृतका की पहचान जिले के काशीचक थाना क्षेत्र के खखरी गांव निवासी गोपाल सिंह की पत्नी 28 वर्षीया सुनीता देवी तथा उनकी बहन रंजू देवी के रूप में की गई है। घायलों में मृतक रंजू देवी का बेटा अविनाश शामिल है। इसके अलावा हाजीपुर के भी दो युवक जख्मी हुए हैं, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी है।

परिजन ने गुरुवार को बताया कि मृतका के पिता भदोखरा निवासी किशोरी सिंह की तबीयत खराब थी। उन्हें देखने के लिए वह एक दिन पहले मंगलवार को अपने मायके पहुंची थी। उसी दिन पिता को डॉक्टर से दिखवाई थी। फिर अगले दिन बुधवार की देर

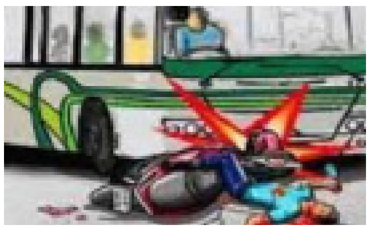

शाम नवादा से उनकी जांच रिपोर्ट लेकर बाइक से मायके लौट रही थी। तभी एक बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

इसी दौरान वहां से गुजर रही एक अन्य बाइक में भी ठोकर मार दी। इस घटना में सुनीता व उसकी बहन की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि दोनों बाइक पर सवार तीन लोग जख्मी हो गए। घटना के बाद परिजनों के कोहराम मच गया। काफी संख्या में परिजन व ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

नवंबर में बिहार के मुजफ्फरपुर में अमित शाह का होगा दौरा

पटना। भाजपा मिशन 2024 के तहत बिहार पर खासा ध्यान दे रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार की राजधानी पटना पहुंचे हैं। अब सूचना मिल रही है कि नवंबर में गृह मंत्री अमित शाह बिहार आयेंगे। हालांकि, उनके आगमन की तारीख और स्थान को लेकर अभी निर्णय नहीं हो सका है लेकिन भाजपा ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। भाजपा नेताओं से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार तक सभा स्थल का चुनाव कर लिया जाएगा। इसके बाद जल्द ही शाह के दौरे की तारीख फाइनल की जाएगी। मुजफ्फरपुर में शाह की जनसभा के लिए पताही हवाई अड्डा, पुलिस लाइन समेत कई जगहों के विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। बिहार में भाजपा के सत्ता से बेदखल होने के बाद से अमित शाह लगातार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। एक साल के भीतर अमित शाह सातवीं बार बिहार आएंगे। बीते 16 सितंबर को ही अमित शाह मधुबनी के झंझारपुर आये थे।

बिहार में जातीय जनगणना की सफलता से भाजपा में बेचैनी बढ़ी : विजय चौधरी

बीएनएम@पटना

संसदीय कार्य मंत्री एवं जद(यू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने गुरुवार को बताया कि जातीय गणना की सफलता से कई नेता भौचक हैं एवं भाजपा तो खास बेचैनी महसूस कर रही है। विजय चौधरी ने कहा कि जिनके परिजनों ने सभी सूचनाएं गणक-कर्मचारियों को दी, वही नेतागण फर्जीवाड़े का आरोप लगा रहे। बदहवासी का आलम यह है कि भाजपा के कुछ नेतागण आकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग कर रहे, तो इसी दल के नेता निजता का अधिकार के हनन के आधार पर न्यायालय की अवमानना का प्रश्न मान रहे हैं।

सच्चाई यह है कि इस गणना की सफलता से राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति आधारित जनगणना कराने की उठ रही मांग से प्रधानमंत्री भी घबराहट महसूस कर रहे हैं, जो उनके भाषणों में स्पष्ट दिखता है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि नीतीश सरकार को मिल रहे वाहवाही से बेचैन भाजपा भूल जाती है कि इस फैसले में वह भी शामिल रही है। मुख्यमंत्री ने सर्वदलीय बैठक में भी स्पष्ट किया है कि किसी को अगर कुछ विसंगति दिखती है तो सरकार जरूर उसका संज्ञान लेगी। फिर भी बिना किसी प्रमाण के ईर्ष्या-जलन भाव से सतही आरोप लगाना अजब मानसिकता है।

चर्चा करेंगे वे पार्टी के विधायकों और सांसदों के साथ बैठक भी करेंगे।

पटना पहुंचने पर जेपी नड्डा का किया गया जोरदार स्वागत

बीएनएम@पटना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार दोपहर पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, विरोधी दल के नेता हरी साहनी, सांसद रविशंकर प्रसाद, केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह, राज्यसभा सांसद सुशील मोदी, सांसद राजीव प्रताप रूडी, सांसद जनार्दन सिंह शिग्रीवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे समेत अन्य भाजपा नेताओं ने नड्डा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

पटना एयरपोर्ट से बापू सभागार तक 11 जगहों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया गया। मुख्य रूप से शेखपुरा मोड़, राजवंशी नगर मोड़, इनकम टैक्स चौराहा, तथा पटना वूमेंसकॉलेज,

डाकबंगला चौराहा पर नड्डा का जोरदार स्वागत किया गया। वे बापू सभागार में कैलाशपति मिश्र की 100वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। बापू सभागार में कार्यक्रम खत्म करने के बाद जेपी नड्डा अपराह्न चार बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे पार्टी के विधायकों और सांसदों के साथ बैठक भी करेंगे। अंत में भाजपा कोर कमेटी की बैठक होगी। बैठक के बाद जेपी नड्डा देर रात दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अचानक सीएम नीतीश से मुलाकात करने पहुंचे आनंद मोहन, इस मुद्दे पर की बात

पटना। पूर्व सांसद बाहुबली आनंद मोहन सिंह ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। गुरुवार को अचानक वह सीएम आवास पहुंचे। करीबी लोगों की मानें तो जाति आधारित गणना को लेकर गुरुवार सुबह करीब पौने 11 बजे आनंद मोहन एक अणे मार्ग स्थित सीएम आवास पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत भी हुई। आनंद मोहन का मानना है कि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना करवा कर अच्छा काम किया है, लेकिन रिपोर्ट में कुछ त्रुटि है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। आनंद मोहन ने सीएम नीतीश कुमार से राजद के विवाद पर भी बात की और चुनावी रणनीति को लेकर भी चर्चा की।

दरअसल, बुधवार को पटना आने से पहले खगड़िया में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जाति आधारित गणना को लेकर बिहार सरकार की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि गणना करवाकर सरकार ने अच्छा काम किया है। यह गणना, आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति को देखते हुए की जानी चाहिए थी, इसके कुछ चूक हो गई। कहा कि1931 की गणना के बाद आज के सामाजिक परिदृश्य में काफी कुछ बदल गया है। जो आज गरीब थे आज उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी है। और जो जमींदार थे, उनमें से कई लोगों की हालत खराब हो गई है। सीएम नीतीश कुमार से मिलकर सारी मुख्य बातों से उन्हें अवश्य ही अवगत करवाऊंगा।

जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

एसडीओ सहित कई विभाग के पदाधिकारी रहे मौजूद

बीएनएम@केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत अंतर्गत रामपुर कोडर स्थित मदरसा में गुरुवार को जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याण कारी योजनाओं के बारे में वहां पर मौजूद लोगों को विस्तार से बताया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी शंभुशरण पाण्डेय ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के बारे में बताते हुए कहा कि स्वरोजगार करने को इच्छुक युवा इस योजना का लाभ लेकर स्वावलंबी बन सकते हैं। सरकार इस योजना के माध्यम से उद्योग लगाने को लेकर 50 फीसदी अनुदान पर अधिकतम 10 लाख रुपया का ऋण दे रही है। उन्होंने जीविका

सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को अपने-आपने विभाग से संबंधित योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन को लेकर दिशा-निर्देश दिया। वहीं एसडीपीओ सत्येन्द्र कुमार सिंह ने गृह विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के संदर्भ में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए हर थाना में महिला डेस्क की स्थापना की गई है। जहाँ पीड़ित महिला अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने साईबर क्राइम के संबंध में बताया कि ऐसी घटना में तत्काल 1930 नम्बर पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। इसके बाद संबंधित बैंक शाखा से संपर्क करने के बाद पुलिस थाना को घटना से अवगत कराएं। वहीं बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि जिनका नाम बीपीएल में नहीं है व उनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो गयी है ऐसे लोग को मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ऐसे लोगों को जाँचोपरांत इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बिहार शताब्दी कुष्ठ कल्याण योजना, राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, आवास योजना, सीएम आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताया। सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा ने दाखिल खारिज सहित राजस्व विभाग की अन्य कार्यों की जानकारी दी। वहीं मौजूद अन्य पदाधिकारियों ने संबंधित विभाग की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया।

जनसंवाद कार्यक्रम के अंत में मुखिया भोला कुमार ने पंचायत की विभिन्न समस्याओं से संबंधित पदाधिकारी को अगवत कराया। जिस पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर बीपीआरओ खुशबू, प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी शशांक चौबे, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी खुशबु कुमारी, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रितेश कुमार, सीडीपीओ रीना सिंह, एलईओ सुरेंद्र कुमार, पीओ अमित नारायण, स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार, डॉ प्रमोद कुमार, विकास मित्र मनोरमा कुमारी के अलावा जिप सदस्य पति विनोद कुमार गुप्ता, रामबली पासवान, मुमताज अहमद, परवेज आलम, कमालुद्दीन, वार्ड सदस्य फूलचन्द्र पासवान, अब्दुल माजिद सहित अन्य अधिकारी व ग्रामीण मौजूद थे।

सीएम के आदेश पर रामगढ़वा मे छपा मारी

बीएनएम@मोतिहारी

जनपद में एक सीविल सर्जन मोतिहारी के आदेशानुसार गुरुवार की देर शाम सीओ मणिभूषण व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा नितीश ध्वज सिंह ने संयुक्त रुप से निजि क्लीनीक व अल्ट्रासाउंड व जांच घर में छापेमारी किया। छापेमारी में केयर अल्ट्रा साउंड, जनता पाली क्लीनीक व डा मुन्ना साह क्लीनीक सहित दर्जनों क्लीनीक पर छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान केयर अल्ट्रा साउंड व जनता पाली क्लीनीक को सील किया गया। वही डा मुन्ना कुमार सिर्फ ओपीडी चला रहे थे तो उनसे कागजात की मांग की गयी। छापेमारी दल में ब्रजेश ओझा सहित अन्य चिकित्सक की टीम मौजूद थी।

हत्यारो की गिरफ्तारी के लिए सड़क जाम कर दिया धरना

मोतिहारी@बीएनएम। बच्चा पासवान के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए उनके परिजनों ने अपने समर्थकों के साथ गुरुवार को श्यामपुर चौक को जाम कर धरना प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि जब तक स्थानीय प्रशासन दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए लिखित आश्वासन नही देती है, तब तक ये धरना अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।

इधर रोड जाम होने की सूचना पर पुलिस बल के साथ धरनास्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद व सीओ संजय कुमार झा ने मृतक बच्चा पासवान के परिजनों को काफी समझाया एवं कानून पर भरोसा जताने की बात कही।। बताया गया कि इस कांड के सफल उदभेदन हेतु एसआईटी टीम का गठन हुआ है, जो अपनी जांच में जुटे हैं। सड़क जाम कर यातायात बाधित करने वाले प्रदर्शनकारियों को प्रशासन द्वारा काफी समझाने के बावयुद आक्रोशित लोगों ने बीते 6 घंटों से बाधित आवागमन को जारी रखते हुए सड़क को जाम

रखा। जिसके कारण रक्सौल- छौरादानो, लखौरा व श्यामपुर बाजार का मुख्य सड़क बिल्कुल ही बाधित रहा। बीच चौराहे पर तम्बू गाड़कर एवं सभी सड़कों पर बैरिकेटिंग कर धरना पर बैठे मृतक की पत्नी सह पंसस सदस्या सुनीता देवी उनके पुत्र सूरज कुमार के साथ सैकड़ों की संख्या में बैठे महिलाओं एवं पुरुषों का कहना था कि हत्या की घटना के एक माह बीतने के बावयुद पुलिस द्वारा अब तक हत्यारों को गिरफ्तार नही किया जा सका है। धरना संध्या 5 बजे समाप्त हुआ, इसके बाद आवागमन सुचारू हो सका। इस संदर्भ में सीओ एसके झा एवं थानाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद का कहना है कि अगर यातायात संचालन सामान्य नही हुआ तो फिर बाध्य होकर धरनार्थियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया की जाएगी। बतादें कि बीते 6 सितंबर की सुबह श्यामपुर गांव निवासी सह पंसस पति बच्चा पासवान की गोली मारकर हत्या चौक के बगल में ही टहलने के क्रम में कर दी।

हकमारी बड़ी संख्या में गरीब महिलाओं के हितो की अनदेखी की जा रही है।

जीविका कैडर संघ का अधिकार यात्रा केसरिया पहुँचा, किया भव्य स्वागत

बीएनएम@केसरियाबिहार प्रदेश जीविका कैडर संघ द्वारा अपनी माँग के समर्थन में निकाली गई अधिकार यात्रा तीसरे दिन केसरिया पहुँची। जहाँ बौद्ध स्तूप परिसर में इस यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

यात्रा का नेतृत्व पूर्व विधायक सह लोजपा के राष्ट्रीय महासचिव व बिहार प्रदेश जीविका कैडर संघ के संरक्षक डॉ अच्युतानंद सिंह व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह संयुक्त रूप से कर रहे हैं। कहा कि जीविका परियोजना ने महिला सशक्तिकरण की अलख जगाने के साथ-साथ गाँवों की तस्वीर और तकदीर बदलने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।सरकार द्वारा दिए गए प्रत्येक दायित्व को पूरा करने में इनके द्वारा कोई कसर नही छोड़ी जाती है। इतनी संख्या में गरीब महिलाओं के हितो की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने बताया कि संघ के माँग के समर्थन में यह यात्रा भितिहरवा से दो अक्टूबर से प्रारंभ की गई है जो सात अक्टूबर को पटना पहुंचेगी। जहाँ महामहिम को ज्ञापन सौंपा जायेगा। इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, लोजपा निक्की देवी, संघ के प्रदेश सचिव सुनील, हरेराम, शशिकांत शेखर आदि रहे।

बसपा की विधानसभा की बैठक डॉ. चतुरानंद राम की अध्यक्षता में किया गया सम्पन्न

मोतिहारी। बहुजन समाज पार्टी विधानसभा की बैठक विधानसभा अध्यक्ष डा. चतुरानन्द राम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मथुरा राम ने वर्तमान में जिला से लेकर पुरे बिहार में हो रहे दलितो पर जूल्म अत्याचार, दलितों की हत्या पर राज्य सरकार को दलित विरोधी बताया। दलित उत्पीड़न का मुकदमा भी नहीं लिखा जाता है।उत्पीड़ित व्यक्ति को मोटी रकम देकर अपना रिपोर्ट लिखाना पड़ है।

कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों ने हमारे हकमारी किये हैं।संविधान पर खतरा दोनों दलों से हीं है। लगातार पचास बर्षो तक कांग्रेस की सरकार रही उसने भी दलित पिछड़ों को उनका पुरा हक नही दिया और ना संविधान को पुरा लागु कर पाया। भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मिडिया को टारगेट करके इसके विरोध की आवाज को दबाकर लोकतंत्र, एवं अभिव्यक्ति की आजादी और संविधान को ख़त्म किया जा रहा है।

सभी समस्याओं का एक मात्र समाधान बहन कुमारी मायावती की बसपा सरकार हीं है। बैठक को विधानसभा अध्यक्ष चतुरानन्द राम, सुरेश निराला, दिनेश राम ने भी संबोधित किये। इस बैठक मे कमिटी का विस्तार करते हुए दिनेश कुमार राम को विधानसभा का प्रभारी, मंगेश राम को पताही का प्रखंड अध्यक्ष, बाबूलाल राम को कौड़िया पंचायत का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

केविवि के छात्र का रांची के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान में चयन

बीएनएम@मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के मीडिया अध्ययन विभाग के प्रथम बैच 2020-2023 के छात्र विकास कुमार उपाध्याय का चयन रांची के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान के डिजिटल विंग में हुआ है। ज्ञात हो कि विकास अपने इंटर्नशिप की शुरुआत जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से किया और बाद में दिल्ली और पटना के महत्वपूर्ण मीडिया संस्थानों में भी अपनी इंटर्नशिप की। विकास ने शुरू से ही मेधावी विद्यार्थी के रूप में पहचान बनाई थी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव ने विकास कुमार उपाध्याय एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा एवं शिक्षकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह न केवल महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के लिए बल्कि चंपारण के लिए खुशी का पल है। साथ ही कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने मीडिया अध्ययन विभाग के बीएजेएमसी प्रथम बैच की इस

सफलता को वह अन्य विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि मीडिया का भविष्य पूर्ण रुप से डिजिटल होने वाला हैं। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि विकास डिजिटल पत्रकारिता में एक नया आयाम स्थापित करेंगे और वे इसकी शुरुआत डिजिटल पत्रकारिता से कर चुके हैं. संकायाध्यक्ष प्रो. रंजीत चौधरी ने विकास को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि विकास शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है। उसके द्वारा लिखे समाचार, लेख व फीचर समाचार पत्र, पत्रिका एवं न्यूज पोर्टल में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। विकास की नियुक्ति उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम है।

बता दें कि विकास ने बीएजेएमसी बैच में सबसे अधिक अंक के साथ पूरे वर्ग में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल की सूची में भी अपनी जगह बना ली है। विकास ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों, माता-पिता और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि सफलता के लिए कठिन परिश्रम जरूरी है। परिश्रम ही लक्ष्य प्राप्ति का एकमात्र उपचार है। मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. उमा यादव एवं अन्य शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी विकास की इस सफलता पर खुशी जताई एवं बहुत-बहुत बधाई भी दी है।

शरीर पर थूक फेंककर सॉरी बोला, फिर उड़ा ले गए साढ़े तीन लाख रुपये

समस्तीपुर। शहर के गोलारोड में बदमाशों ने बैंक से रुपये निकासी करने जा रहे अधेड़ के शरीर पर थूक फेंक दिया। फिर सॉरी बोल पास के चापाकल पर थूक साफ कराने लगा। इसी दौरान उसका दूसरा साथी साढ़े तीन लाख रुपये से भरा झोला लेकर फरार हो गया। इस मामले में पीड़ित ने नगर थाने में आवेदन दिया है। घटना की सूचना के बाद नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसकी नगर पुलिस जांच कर रही है।

घटना के संबंध में बताया गया है कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर निजामत निवासी चंद्रशेखर राय पुरानी पोस्ट ऑफिस रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से दोपहर साढ़े तीन लाख रुपये लेकर साइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह गोला रोड के पास पहुंचे तो एक बाइक पर सवार दो बदमाशों में से एक युवक ने उसके ऊपर थूक

फेंक दिया। फिर उनके नजदीक जाकर सॉरी बोलकर उन्हें कहा चलिए कपड़ा धुलवा देते हैं। चंद्रशेखर अपनी साइकिल सड़क किनारे लगाकर रुपये से भरा झोला चापाकल के पास रखकर थूक साफ करने लगा। इसी दौरान बदमाश का दूसरा साथी रुपये से भरा झोला लेकर फरार हो गया। नगर थाना के थानाध्यक्ष विक्रम आचार्या ने बताया, शरीर पर थूक फेंककर अधेड़ से ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित द्वारा इस मामले में थाने में आवेदन दे दिया है। घटनास्थल के आसपास लगी सीसीटीवी की भी मदद ली जा रही है। बदमाशों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

गाय घाट में 3 एकड़ सरकारी भूमि पर होगा आईटीआई का निर्माण

बीएनएम@मोतिहारी। कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, द्वारा अरेराज अनुमंडल अंतर्गत हरसिद्धि प्रखंड में 3 एकड़ सरकारी भूमि पर आईटीआई अरेराज का निर्माण हेतु सीमांकन कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि आईटीआई अरेराज का निर्माण कार्य हेतु 28 करोड़ 3 लाख 24 हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है, जिसका सीमांकन कार्य अंचलाधिकारी, अमीन, कर्मचारी, मुखिया, सरपंच, स्थानीय ग्रामीणजन की उपस्थिति में किया गया है। जबकि कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, मोतिहारी द्वारा यह भी बताया गया है कि संबंधित संवेदक द्वारा दिनांक 6 अक्टूबर 2023 से आईटीआई अरेराज का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

संदिग्ध अवस्था में एक विधवा महिला की मौत

रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के रामगढवा में एक विधवा महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी। मृत महिला को आटो रिक्शा से जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया तो डा प्रहस्त कुमार ने स्थानीय थाना को सूचना दी। डा. कुमार ने बताया पुलिस स्वंय पहूचकर मृत महिला की शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया गया है। मृत महिला की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड से हुआ है।

मृत महिला बंजरिया थाना क्षेत्र के बुढवा निवासी स्व अर्जुन ठाकुर की पत्नि 26 वर्षीय निभा देवी है । पुलिस ने बताया कि अपने बहनोई के साथ भेलाही से मोटरसाइकिल से आ रही थी कही रास्ते में दुर्घटना में मौत हो गयी। बहनोई का ईलाज पीएचसी में हो रहा है। बहनोई बदहवास है अभी तक अपना नाम पता नहीं बता रहा है। घर के लोगों की सूचना दे दी गयी है। आने पर मामला दर्ज होगा। इसकी पुष्टि पीएस आई विवेक कुमार ने की है। मोटरसाइकिल भी अभी तक नहीं मिला है।

गायब हो गए प्रखंड विकास पदाधिकारी, अब तक नहीं लौटे

औरंगाबाद। जनपद के ओबरा प्रखंड के विकास पदाधिकारी (बीडीओ) पिछले एक दिन से लापता हो रहे हैं। उनका सरकार और निजी मोबाइल भी बंद है। वह बुधवार की शाम अपने ऑफिस से निकले थे। लेकिन, अब तक घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने उनके मोबाइल पर फोन किया। लेकिन, उनका सरकारी और निजी मोबाइल दोनों बंद मिला। उसके बाद परिजनों किसी अनहोनी की आशंका से सहम गए। उसके बाद परिजनों ने ओबरा थाना में बीडीओ के लापता होने की शिकायत दर्ज करायी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीडीओ युनुस सलीम के अचनाक लापता होने का मामला प्रकाश में आने के बाद पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक ओबरा बीडीओ की पहचान एक ईमानदार अधिकारी के रूप में है। ओबरा बीडीओ की लापता होने की सूचना के बाद ओबरा थाने की पुलिस छानबीन में जुट गई। ओबरा प्रखंड और आस-पास का फुटेज

खंगाला गया। सीसीटीवी फुटेज में बीडीओ को अकेले ऑटो पर बैठ कर जाते हुए देखे गए। जब पुलिस ने ऑटो जानेवाले दिशा की विभिन्न सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाला तो वह अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर बैठे दिखे। लेकिन उनका जब मोबाइल लोकेशन देखा गया तो मोबाइल लोकेशन सासाराम के निकट बताया। सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि बीडीओ युनुस स्टेशन के प्लेटफार्म पर टहल रहे हैं।शायद किसी ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच प्लेटफार्म के सीमेंटेड बेंच पर बीडीओ बैठे भी दिख रहे हैं।अगली फुटेज में बीडीओ सासाराम-धनबाद इंटरसिटी ट्रेन पर सवार होते नजर आ रहे हैं। ओबरा थानाध्यक्ष सुशील कुमार बीडीओ युनुस सलीम की लापता होने की शिकायत परिजनों ने किया है। परिजनों के शिकायत के आधार पर सनहा दर्ज कर लिया गया है। लेकिन उन्होंने अपहरण की घटना से इनकार किया। साथ ही उन्होंने कहा कि लापता बीडीओ की खोजबीन की जा रही है। अंतिम लोकेशन सासाराम दिखा रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है।

अपहरण | मछली व्यवसायी के बेटे को नकाबपोश अपराधियों ने अगवा कर 15 लाख रूपये मांगा हैं।

14 साल का बच्चा अगवा, 15 लाख फिरौती मांगी; घर में खबर से कोहराम

जमुई। जनपद में एक 14 साल के बेटे को अपहर्ताओं ने अपने पास रखा और उसके पिता को 15 लाख रुपये फिरौती जुटाने के लिए छोड़ दिया। बच्चे के अपहरण की खबर से घर में कोहराम मच गया। पुलिस बच्चे का पता लगाने में जुटी हुई है। हर जगह छापेमारी हो रही है।

बिहार में अपहरण का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस बार 14 साल के बच्चे का अपहरण हुआ है। पिता से रंगदारी मांगी और नहीं देने पर उसके सामने बेटे को रख लिया और फिरौती में 15 लाख रुपये लेकर आने कहा। जमुई में झाझा थानाक्षेत्र के बोड़वा बाजार निवासी मछली व्यवसायी के बेटे को नकाबपोश अपराधियों ने अगवा किया। इसको लेकर पीड़ित पिता ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर बेटे की बरामदगी की गुहार लगाई है। इधर, अपहरण हुए नाबालिग लड़के की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के बोड़वा बाजार

निवासी मछली व्यवसायी फुहल पंडित का 14 वर्षीय पुत्र वरूण पंडित के रूप में हुई है।

वहीं, घटना के बाद वरूण के घर में बेटे को लेकर किसी अनहोनी की चिंता सताने लगी है। बताया जाता है कि मछली व्यवसायी फुहल पंडित को मंगलवार को चौकीजोर के एक व्यक्ति ने एक हजार रुपये एडवांस में देकर चालीस किलो मछली देने का आर्डर दिया। उसके बाद बुधवार को अपने पुत्र वरुण कुमार के साथ फुहल पंडित मछली पहुंचाने चैकीजोर जा रहा था। तभी बांका जिले के बेलहर थाना क्षेत्र अंतर्गत रगदानगर के पास छह नकाबपोश अपराधियों ने बेटे को पकड़ लिया और 15 लाख रुपये की रंगदारी की मांग किया, जिसके बाद फुहल ने इतने पैसे नहीं होने की बात कहा तो अपराधियों ने पिता को छोड़कर बेटे को बंधक बनाकर तीन लाख रुपये पहुंचा देने की धमकी दिया।

इधर, घटना की जानकारी पर झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार, थानाध्यक्ष राजेश शरण, बांका जिला अंतर्गत बेलहर थाना के पुलिस पीड़ित परिवार से पूरी जानकारी लेने के लिए उसके घर पंहुचा। झाझा और बेलहर थाना की पुलिस संयुक्त रूप से वरूण की सकुशल बरामदगी को लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। अपहरण हुए वरूण की मां रूकमा देवी पुलिस से अपने बेटे के खोजबीन किए जाने की गुहार लगाई है।

ढाका में वृद्धजन सम्मान के कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजित

मोतिहारी। बुनियाद केंद्र, ढाका द्वारा आयोजित वृद्धजन सम्मान कार्यक्रम अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उनके द्वारा उपस्थित वृद्धजनो को माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई और बताया गया कि यदि आपके बच्चे आपका सही से देखभाल नहीं करते हैं तो आप अनुमंडल कार्यालय में आकर शिकायत करें। आपके शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।साथ ही ढाका प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम में आए वृद्धजनों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर बुनियाद केंद्र प्रभारी, अरुण मिश्रा और अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

BORDER NEWSMIRROR

Friday 06 October 2023

Editorial

डेंगू के डंक की जद में दुनिया की आधी आबादी

देश-दुनिया में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस साल के देश के आंकड़ों की ही बात करें तो डेंगू से मरने वालों की संख्या लगभग 100 के आंकड़े को छू रही है। अकेले केरल में डेंगू के कारण 38 लोगों की मौत की सूचना है। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने दो दिन पहले उच्चस्तरीय बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। दरअसल हमारे देश में डेंगू का पीक सीजन जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। वैसे, डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है और दुनिया के 129 देशों या यों कहें कि दुनिया की आधी आबादी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। देश-दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट अतिश्योक्तिपूर्ण मानें तब भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि डेंगू आज और आने वाले समय के लिए दुनिया के देशों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। दुनिया के 129 देश डेंगू की गिरफ्त में आ चुके हैं तो इससे भी मतभेद नहीं हो सकता कि दुनिया के देशों में होने वाली बीमारियों में से 70 फीसदी बीमारी का केन्द्र एशिया महाद्वीप बना हुआ है। डेंगू दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से दुनिया के देशों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। डब्लूएचओ की मानें तो आज दुनिया की आधी आबादी डेंगू संभावित क्षेत्र के दायरे में आ गई है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पेरु के अधिकांश इलाकों में डेंगू के कारण इमरजेंसी लगाई जा चुकी है तो अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके दायरे से बाहर नहीं हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में ही डेंगू के औसतन 600 मामले प्रतिदिन आ रहे हैं। डेंगू एडीज प्रजाति के मच्छर से फैलता है। डेंगू के मच्छर के बारे में यह माना जाता है कि नमी वाले क्षेत्र खासतौर से पानी एकत्रित होने वाले स्थानों पर यह तेजी से फैलता है। सुबह के समय यह अधिक सक्रिय रहता है।

भारतीय देशभक्त सिखों को खालिस्तानियों से मत जोड़ो

आर.के. सिन्हा

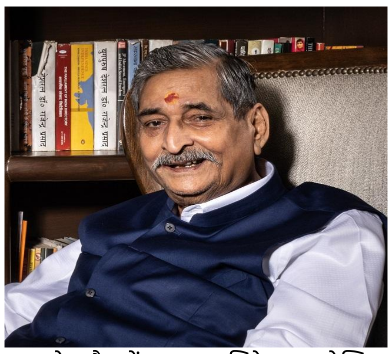

हाल के दौर में कनाडा, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया वगैरह देशों में मुट्ठीभर सिरफिरे खालिस्तानियों की हरकतों को भारत के सामान्य राष्ट्रभक्त सिखों से जोड़ना किसी अपराध से कम नहीं माना जाएगा। भारत को लेकर भारतीय सिखों की निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह लगाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। सिख पंथ की स्थापना राष्ट्र पर जान न्योछावर करने के संकल्प के साथ हुई थी। भारत के चौतरफा विकास में सिखों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। यह याद रखा जाए कि देश के बंटवारे के समय मोहम्मद अली जिन्ना ने सिखों के सामने पृथक राष्ट्र का प्रस्ताव भी रखा था, जिसे सिख समुदाय ने सिरे से खारिज कर अपना सब कुछ छोड़ भारत आ गए थे। यह मानना होगा कि संसार के किसी भी कोने में जाने वाले या रहने वाले सिख भारत के ही ब्रांड एम्बेसेडर हैं। दुनिया के किसी भी भाग में बसा सिख भारत को ही अपनी मातृभूमि और पुण्यभूमि मानता है। सिख समुदाय भारत की टीमों को ही सदा चीयर करता है। मुझे लगता है कि भारतवंशियों के लिए भारत मात्र एक भौगोलिक एन्टिटी (भौगोलिक वास्तविकता) ही नहीं है। यह तो समझना होगा। अगर बात सिखों की करुं तो भारत सिखों के लिए तो गुरुघर है। इसलिए इसके प्रति उनकी अलग तरह की निष्ठा रहती ही है। शेष भारतवंशियों के संबंध में भी कमोबेश यही कहा जा सकता है। इसलिए वे केन्या, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन वगैरह में बसने के बाद भी अपने को भारत से दूर नहीं कर पाते। सिखों को भी भारत दिल से चाहता है। अमृतसर के स्वर्णमंदिर, पटना साहिब गुरुद्वारा और देश के सैकड़ों गुरुद्वारों में रोज लाखों लोग लंगर पाते हैं। जो पूरे विश्व में एक मिसाल है। सिखों में सेवा का भाव वास्तव में अद्भुत है। आपको भारत के हरेक क्षेत्र में सिख अपना योगदान देते हुए मिलेंगे। अब आप दिल्ली के समाजसेवी जितेन्द्र सिंह शंटी को ही लें। शंटी लगभग तीन दशकों से दिल्ली और इसके आसपास के शहरों में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करवा रहे हैं। उन्होंने कोविड काल में अपने हाथों से दर्जनों अभागे लोगों का अंतिम संस्कार करवाया था। उस समय उन्हें और उनके परिवार के कई सदस्यों को भी कोविड हो गया था। पर वे हार मानने वाले कहां थे। वे कोविड को हराने के बाद फिर से सड़कों पर उतर गए थे। पद्मश्री पुरस्कार विजेता शंटी ने रक्तदान का सैकड़ा भी बना लिया है। अर्पणा कौर भी भारतीय समकालीन कला जगत की सशक्त हस्ताक्षर हैं। उनकी कूची 1984 के सिख विरोधी दंगों और वृन्दावन की विधवाओं पर खूब चली है। अर्पणा कौर के चित्रों में बुद्ध, बाबा नानक और सोहनी-महिवाल भी मिलेंगे। उनके चित्रों में स्त्री पात्र खूब मिलते हैं। अपर्णा कौर का बचपन से ही कला के प्रति रुझान था,उनका रुझान कविता साहित्य रचना में था , संगीत में भी दिलचस्पी रखतीं थीं।अर्पणा कौर को बचपन से ही खुले विचारों वाले माहौल के साथ संगीत, नृत्य, साहित्य और चित्रकारी का सांस्कृतिक परिवेश भी मिला। नौ वर्ष की आयु में उन्होंने तैलीय रंग में 'मदर एंड डॉटर' चित्र बनाया जो अमृता शेरगिल की कलाकृति से प्रभावित था।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's **Opinion**

केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड की युगांतकारी परिवर्तन-वाहिनी

विष्णु दत्त शर्मा

बुंदेलखंड की दो दशक पुरानी आस अब पूरी हो रही है। 18 साल से लंबित केन-बेतवा लिंक परियोजना का शुभारंभ क्षेत्र की प्यास के बुझने के साथ ही जीवन बदलने का ऐतिहासिक पड़ाव भी है। चार दशक से बुंदेलखंड की जनता को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार था। वह दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प से आ गया है। जिस सपने को भाजपा सरकार में ही पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल जी ने देखा और देश में 37 नदियों को आपस में जोड़कर जल संकट को दूर करने का बीड़ा उठाया था, जिसमें केन-बेतवा लिंक परियोजना भी थी, उसे अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मूर्त रुप मिल गया है। यह भारत की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इसको अंतरराज्यीय नदी हस्तांतरण मिशन के लिये मॉडल योजना के रूप में माना जाता है। लेकिन दुर्भाग्य से अटल जी के बाद की यूपीए सरकार ने इसमें रुचि नहीं दिखायी। हालांकि उन्होंने बुन्देलखंड की दुर्दशा पर राजनीतिक रोटियाँ खूब सेंकी। स्मरण रहे कि जब अटल जी ने नदियों को जोड़ने की जो परिकल्पना की थी, उनमें से केन-बेतवा पहला लक्ष्य था। देश में जल के संकट से सर्वाधिक प्रभावित बुन्देलखंड का ही क्षेत्र था, जिसका निदान मानवता की माँग थी। भाजपा सरकार क्षेत्र के इस जीवन-संकट को समझ रही थी। स्वाधीन भारत में सर्वाधिक राजनीतिक रोटियाँ बुंदेलखंड के पिछड़ेपन पर ही सेंकी गईं। राजनीतिक पर्यटकों ने इसकी दुर्दशा की तस्वीरों को देश-विदेश में भी खूब प्रचारित किया, लेकिन जिनके हाथों में सात दशक तक इसके तकदीर की चाभी थी, उन्होंने उससे हर बार छल किया और बुंदेलखंड की दशा जस की तस बनी रही। जिस बुंदेलखंड के वीरता की गाथाएँ साहस देती हैं, वही बुंदेलखंड पानी के समर में कई दशकों से मात खाता रहा। उजड़ते गाँव और पलायन बुंदेलखंड की त्रासदी का वृतांत बताते हैं। भयानक सूखे की मार से बेहाल हो चुके बुंदेलखंड को काँग्रेस सरकारों ने केवल नारे दिये और हर बार चुनाव बाद भुला दिया। बुंदेलखंड की जनता के जीवन में हर दिन अंधकार और अधिक घना होता गया और सपनों के सौदागर उन्हें सब्जबाग दिखाते रहे। कड़वा सच है कि विगत दशकों में बुन्देलखंड से करोड़ों लोग पलायन कर गये। पशुधन को बचाना, कृषि कार्य करना, जीवन के लिए जरूरी पानी जैसी समस्याएँ बुन्देलखंड की नसीब बन गयीं और जन-जीवन में और अँधेरा छाता चला गया। जब सच्ची नीयत वाला नेतृत्व मिलता है तो लोकतंत्र में वह दिन आ ही जाता है, जब एक नया सवेरा अँधेरों छांट देता है। बुंदेलखंड के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा सवेरा लाने वाले सूरज की तरह हैं। मोदी जी के नेतृत्व का ही फल है कि जल, वन-भूमि साझाकरण और अधिग्रहण में आने वाली कठिनाईयों से जूझ रही केन-बेतवा लिंक परियोजना अब शुरु हो रही है। यह अकाट्य तथ्य है कि मोदी जी के प्रयास से ही इस महान परियोजना की अनेक अड़चनें दूर हुईं और विश्व जल दिवस पर 8 मार्च को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में यूपी और एमपी सरकारों ने इसके लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। सारी बाधाओं को पार कर अब मोदी सरकार ने 45 हजार करोड़ वाली केन-बेतवा लिंक जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजना को जमीन पर उतार कर यहाँ समाज-जीवन की सरलता के सारे मार्ग प्रशस्त कर दिये हैं। इस परियोजना में 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी और शेष मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश वहन करेंगे। इसके तहत केन नदी से बेतवा नदी में पानी भेजा जाएगा और 221 किलोमीटर लंबी संपर्क नहर निकाली जाएगी, जो झांसी के निकट बरुआ में बेतवा नदी को जल उपलब्ध कराएगी। केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट से नॉन मानसून सीजन (नवंबर से अप्रैल के बीच) में क्रमशः मध्य प्रदेश को 1834 तथा उत्तर प्रदेश को 750 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिल सकेगा। इसका लाभ मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर और दतिया के साथ-साथ शिवपुरी, विदिशा और रायसेन सहित अन्य जिलों को भी मिलेगा।

(लेखक, खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद व मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

सन्निधि संगोष्ठी के 10 साल पूरे हुए, पांच सौ से अधिक साहित्यकारों ने शिरकत की

हेमलता म्हस्के

सन्निधि संगोष्ठी के दस साल पूरे होने पर नई दिल्ली स्थित सन्निधि सभागार में आयोजित संगोष्ठी का समापन चर्चित कवि और सामयिक वार्ता के संपादक राजेंद्र राजन के कविता पाठ से हुआ।राजन ने मौजूदा समय की परिस्थितियों पर विचारोत्तर कविताओं का पाठ कर सभी के भीतर विसंगतियों के खिलाफ उबाल पैदा कर दिया।

संगोष्ठी के पिछले दस सालों और इससे संबंधित एक रिपोर्ट का भी लोकार्पण किया गया। जिसमें दस साल की उपलब्धियों का लेखा जोखा पेश किया। इसके बाद कवि और लेखक डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा की दो पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया।लोकार्पण के बाद केदार नाथ शब्द मसीहा,विनय विक्रम, डॉ. ममता धवन ने भी अपनी टिप्पणियां पेश की।

गौरतलब है कि सन्निधि संगोष्ठी का संचालन पिछले दस सालों से काका कालेलकर साहब द्वारा स्थापित गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, नई दिल्ली और विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान, नोएडा की ओर से किया जाता रहा है।

संगोष्ठी का आयोजन साहित्य की विभिन्न विधाओं पर हर महीने किया जाता रहा है। संगोष्ठी में जहां नव रचनाकारों का पाठ करने का मौका दिया जाता रहा है। साथ ही इनके मार्गदर्शन के लिए अपने समय के स्थापित साहित्यकारों को भी आमंत्रित किया जाता रहा है। इस तरह पिछले दस सालों में 500 से अधिक नए और जाने माने साहित्यकारों ने शिरकत की है।

सन्निधि संगोष्ठी की ओर से हर साल साहित्य, कला, संस्कृति, समाजसेवा, पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के करने वाले दस युवाओं को काका कालेलकर साहब और विष्णु प्रभाकर सम्मान से सम्मानित जाता रहा है।

गौरतलब है कि दुनिया की हर तरह के प्रशिक्षण

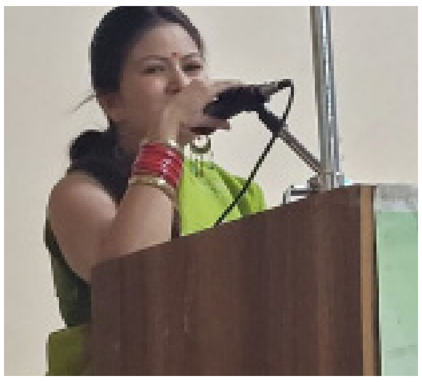

और शिक्षण के लिए स्कूल, कॉलेज और संस्थान खुले हुए है लेकिन सृजनात्मक लेखन में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए कोई शिक्षण- प्रशिक्षण केंद्र उपलब्ध नहीं है। ऐसे में स्वयं से प्रेरित होकर साहित्य रचना करने वाले युवाओं के लिए सन्निधि संगोष्ठी बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। सन्निधि संगोष्ठी का निरंतर आयोजन काका कालेलकर की शिष्या कुसुम शाह, अतुल प्रभाकर, वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत और किरण आर्या की ओर के सामूहिक प्रयत्नों का नतीजा है। सन्निधि संगोष्ठी में मौजूदा समय के ज्यादातर नामचीन लोगों ने भाग लिया है। जो निम्नलिखित है - हरिवंश नारायण सिंह(उप सभापति, राज्य सभा),डॉ. हरिपाल सिंह,कांता रॉय, शिवनारायण, राकेश पांडे, श्री सुनील शास्त्री, अनिल जोशी,मोहिनी माथुर, संतोष खन्ना डॉ.पूरन सिंह, ओम सपरा, शंकर कुमार सान्याल, डॉ. गोपेश्वर सिंह श्री दिनेश मिश्र, बृजेंद्र त्रिपाठी, बलदेव वंशी, डॉ. सैफी अयूब, सुश्री मणिमाला, ममता कालिया, निर्मला जैन, शिखा वार्नेय, अनुराग अन्वेषी, डॉ अनामिका, गैलियन राइट, प्रेम जन्मेजय, सुरेश यादव,पाल शर्मा, कमलेश भट्ट, जगदीश, आलोक, राहुल देव , आशीष कंधवे, क्षमा शर्मा, रवि तनेजा ममता किरण, श्री लक्ष्मी शंकर बाजपेई, पंकज बिष्ट, प्रह्लाद रामशरण, अजगर वजाहत, पद्मा सचदेव, शंभूनाथ शुक्ल, विनोद भारद्वाज, सुश्री नासिरा शर्मा,दीक्षित दनकौरी, लीलाधर जगूड़ी, नीरज डंगवाल , श्री संत समीर, गीता श्री , अनिल पांडे, डॉ.हरीश नवल, सुभाष चंदर, डॉ. अजय नवरिया, रमणिका गुप्ता, वाजिद खान, रीना तिवारी, श्री रविशंकर रवि, सविता सिंह, सुरेश नीरव, श्रीमती सुमन केसरी, बिहारी तिवारी, नरेश शांडिल्य, अशोक गुप्ता, मदन कश्यप, सुधांशु नारायण कुमार, बालस्वरूप राही, चिन्मय त्रिपाठी, मृदुला प्रधान, गंगेश गुंजन ,आकांक्षा पारे,आनंद शर्मा, संजय कुमारडॉ अमरनाथ अमर, श्री दीपांकर श्रीज्ञान,कायनात काजी,श्री मुकेश भारद्वाज, नरेंद्र मोहन, हरीश अरोड़ा, अनीता भारती, वंदना ग्रोवर, डॉ सुनीता,कमलेश भारतीय,राकेश रेनू, श्री भानु भारतीय, राजेंद्र उपाध्याय आदि ने हिस्सा लिया।

फूल कुमारी, गोड्डा, झारखण्ड

सुकून

कुछ पीछे छोड़कर जब आगे बढ़ना होता है
सच-सच बतलाना सब,सुकून कही मिल पाता है?
और बतलाना ये भी कि, कितने सच्चे लोग मिले,
जिसको लिए हर कोई जीवन में आगे बढ़ जाता है?
और यक़ीन बस इतना दिलाया था हमको,
छोड़ो आज की बातें, आगे सब अच्छा ही होता है।
अपने रिश्ते दिल के थे, सपने सारे दिल के थे।
टूटने पर इसके बतलाना कौन आवाज सुन पाता है?
गम को दिल मे दबा के रखना, झूठी बस मुस्कान रखो।
बचपन से ही सीख हमे बोलो ऐसा क्यों दिया जाता है?

प्रेम

गरिमा सिंह मधुरिमा, सूरत गुजरात

प्रेम को पूर्ण परिभाषित कर सके ऐसी कोई कलम नही बनी अबतक। मुझे तो लगता है कि जिसने जिस रूप में जिस उम्र में जिन परिस्थितियों में पाया उसने वैसे ही परिभाषित किया है प्रेम को। प्रेम की परिसीमा प्रेमी को ही तय करने देना चाहिए, क्योंकि किसी के प्रति उसका प्रेम कितना गहरा है ये समझना सबके बस की बात नहीं।

तो ये मान लीजिए की प्यार असीमित और अनन्त है जो कहते हैं हमने प्यार को पढ़ा और जाना है वो गलत कहते हैं प्यार हमेशा हमारी सोच और समझ से परे था है और रहेगा। इसीलिए ज्यादा सोचिए नही अगर आप मे इनमें से कोई भी लक्षण हैं तो आप प्यार में है ये सोचकर मुस्कुराइए।

हर किसी के प्यार की समानता दूसरे के प्रेम से नही हो सकती। उसका अपना ही कारण है सायद किसी को सूरत तो किसी को सिरत से प्यार हुआ। किसी को किसी की मुस्कान भा गई और कोई गुस्से पर फिदा हो गया। किसी को किसी की सच्चाई अच्छी लगी तो किसी को उसका बातों को हंसकर टाल जाना भाता है। ये दिल है जनाब इसे कोई भी कभी भा जाता है। हम तनिक भी नहीं चूकते दूसरे के रिश्ते पर उंगली उठाने से पहले हर किसी के चरित्र का प्रमाण पत्र बनाने में पर जब बात खुद की हो तो सब सही सब तार्किक लगता है।

प्रेम कब बंधा है जाति,धर्म,उम्र,रंग,अमीर गरीब और समाज के दायरों में उसने तो हमेशा वही चाहा जो अपनी हदों से बाहर था प्रेम स्वतंत्र था है और रहेगा। प्रेम पा लेने भर का नाम नही प्रेम तो सम्पूर्ण न्योछावर करने का नाम है। कौन कहता है कि उसकी आवाज सुनकर सुकून मिलता है सुकून तो उसका कुशल मंगल जानकर भी मिल जाता है। कौन कहता है कि उसकी बाहों में सर रखकर ही सुकून की नींद आती है सुकून की नींद तो उसे सुकून से सोते देखकर भी आ जाती है। कौन कहता है कि गले लगाकर चूम लेने भर से प्यार की गहराई का अंदाजा होता है उसके कंधे पर सर रखकर जोर-जोर से रो लेने से भी गहरे प्यार का अंदाजा लग जाता है।

कौन कहता है हाँथो में हांथ रखकर ही दिल की बात करने से ही प्यार जताया जा सकता है प्यार तो दूर से देखकर एक बार नजर झपकाने भर से महसूस हो जाता है। कौन कहता है घण्टों बात करके ही हम उसे अपनी चाहत बता और जता सकते हैं दो मिनट मौन हो एकटक उसे देखते रहने से प्यार उमड़ आता है मन में आँखे मूंदकर उसने सोचने से जो आनंद सुकून मिलता है हां वही तो प्रेम है। उसकी खैरियत का परवाह भी प्यार है उसके नाम को सुनकर दिल का जोर-जोर से धड़कना भी प्यार है । और तो और घण्टों से ऑनलाइन है पर एक मैसेज भी नहीं किया ये सोच-सोच कर बार-बार इनबॉक्स चेक करना भी प्यार है । और बेवजह उसकी बकवास पर हंसना और अकेले में खुद से सोचकर मुस्कुराना और खुदही लजाना भी प्यार है। तो ये मान लीजिए की प्यार असीमित और अनन्त है जो कहते हैं हमने प्यार को पढ़ा और जाना है वो गलत कहते हैं प्यार हमेशा हमारी सोच और समझ से परे था है और रहेगा। इसीलिए ज्यादा सोचिए नही अगर आप मे इनमें से कोई भी लक्षण हैं तो आप प्यार में है ये सोचकर मुस्कुराइए।

दहलीज के पार : लघुकथा

प्रतिभा दुबे (स्वतंत्र लेखिका)

मायके से विदा होते समय दीया ने मन ही मन निश्चय कर लिया था की दहलीज के पार भी मेरी एक दुनिया होगी और मुझे एक सशक्त महिला बनने के लिए पहले अपनी गृहस्थी को मजबूत करना होगा, ताकि में अपने आने वाले भविष्य में वो सारे कार्य कर सकूंगी जिसके कारण मेरी भी एक अलग पहचान बने।

आज पारंपरिक तरीके से शादी हो रही थी ! दुल्हन बनी दीया को दीया की मां समझा ही रही थी !

....कि बेटा अब से ससुराल ही तेरा घर कहलाएगा और तुम्हारी नई जिंदगी की शुरुवात के साथ एक जिम्मेदारी भी होगी। मायके से विदा होने के बाद लड़की कि अर्थी ससुराल की दहलीज से ही निकलती है !फिर जीवन में चाहे जैसी भी परिस्थिति हो, तुम कभी भी अपने ससुराल की दहलीज पार न करना कभी भी लड़ झगड़ कर मायके नही आना। तुम्हारा धीरज ही तुम्हारा साथी और संयम ही संस्कार होंगे जिससे तुम अपने मायके का नाम भी रोशन करोगी।

धैर्य पूर्वक अपनी मां की बात सुनते हुए दीया ने कहा मां मैं पूरी कोशिश करूंगी तुम्हारी उम्मीदों पर खरा उतरने की ! पर क्या दहलीज के पार मुझे वह आजादी मिलेगी ?

जो मुझे मेरे घर में मिलती थी इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा ? यह रिश्ता मैंने आपकी और पापा की खुशी के कारण अपनाया है और मुझे रोहित थोड़ा बहुत समझ में भी आया है इसीलिए मैंने हां कहा पर मैं यहां से सकारात्मक भाव लेकर ही विदा होना चाह रही थी ! इसीलिए आपकी बात इतने प्रेम से सुन रही थी आप निश्चिंत रहें मैं आप के संस्कारों को कोई भी क्षति नहीं पहुचाऊंगी, आपने जो कहा है उसे निभाने की पूरी कोशिश करूंगी।

दीया की शादी बड़ी धूमधाम और सभी संस्कारों के साथ संपूर्ण हुई, आखिर वह घड़ी आ ही गई जब रोहित और दीया एक दूसरे के जीवन साथी बन गए।

आज दिया की आंखों में आंसू नहीं थे !सिर्फ और सिर्फ इस बात की खुशी थी, कि उसने अपने माता पिता से जो भी प्रॉमिस किए है वह उसे निभाने की पूरी कोशिश कर सकारात्मक भाव से अपने नए जीवन में प्रवेश करने जा रही है।

दीया मन ही मन सोच रही थी कि स्त्री जीवन में चाहे कोई भी युग रहा हो ! वह स्त्री फिर सीता हो या आधुनिक युग की नारी दहलीज के पार उसको स्त्री की भूमिका निभानी ही पड़ती है, और यह दहलीज उसके लिए लक्ष्मण रेखा का कार्य करती है, यदि वह इसे पार जाकर अपने सपने पूरे करती है तो अपने परिवार की मर्यादा को तोड़ती है और वहीं दूसरी ओर यदि अपनी दहलीज के अंदर दायरा सीमित रखती है तो उसका जीवन लगभग समाप्ति की ओर हो जाता है ! वह एक मां बहन और बेटी बनकर ही रह जाती है।

मायके से विदा होते समय दीया ने मन ही मन निश्चय कर लिया था की दहलीज के पार भी मेरी एक दुनिया होगी और मुझे एक सशक्त महिला बनने के लिए पहले अपनी गृहस्थी को मजबूत करना होगा, ताकि में अपने आने वाले भविष्य में वो सारे कार्य कर सकूंगी जिसके कारण मेरी भी एक अलग पहचान बने।

महाराज बाड़ा
लश्कर ग्वालियर

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

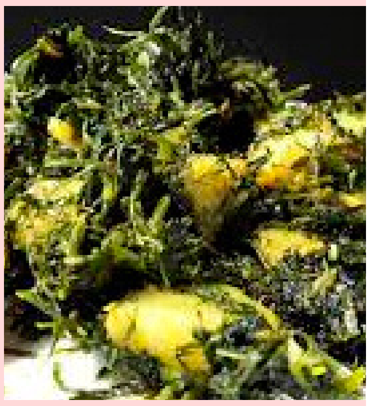

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

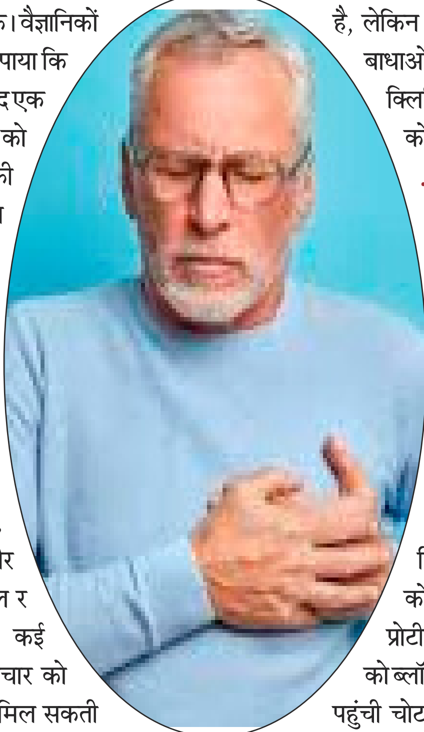

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलुलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

BNM Fantasy

फिल्म 'देवरा' दो भागों में होगी रिलीज

ब्लॉकबस्टर, सुपरहिट फिल्म बाहुबली, केजीएफ और पुष्पा के बाद जूनियर एनटीआर की 'देवरा' दर्शकों के सामने आ रही है। इस तेलुगु फिल्म में अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री जान्हवी कपूर नजर आएंगे। जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'देवरा' दो भागों में रिलीज होगी। इस बात की आधिकारिक घोषणा फिल्म के डायरेक्टर कोराटाला शिवा ने एक वीडियो शेयर करके की है। वीडियो में निर्देशक कोराटाला ने कहा, "यह भारत के तट के पास एक भूली हुई भूमि के बारे में फिल्म है। इस फिल्म का कैनवास बहुत बड़ा है। फिल्म की शूटिंग के बाद फिल्म के कैनवास से पता चला कि फिल्म जबरदस्त कमाई कर सकती है।

अभिमन्यु-अक्षरा शादी हुई शुरु, मामा जी ने आरोही के साथ की बत्तमीजी

अभिमन्यु-अक्षरा शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के आज के एपिसोड में दिखाया जाएगा की बिरला हाउस में सभी लोग अभिमन्यु को गिफ्ट देने की बात करते हैं, लेकिन अभिमन्यु मना करता है। वहीं गोएंका हाउस में अक्षरा गिफ्ट के लिए मना करती है, लेकिन दादी उसके पास नायरा की चुनरी लेकर आती है अक्षरा उसे पाकर इमोशनल हो जाती है। तभी वहां अभिमन्यु आकर उसे समझाता है। अभिमन्यु अपना दर्द अक्षरा के साथ शेयर करता है। फिर अक्षरा का मूड ठीक करने की कोशिश करता है और उसे डांस प्रैक्टिस के लिए चलने को बोलता है। उनकी कोरियोग्राफर काफी स्ट्रिक्ट होती है और सबकी क्लास लगाती है। इसके बाद वह अक्षरा और अभिमन्यु को रोमांटिक डांस सीक्वेंस के लिए बोलती है और दोनों फिर डांस करते हैं। कोरियोग्राफर दोनों को देखकर हैरान हो जाती है। अभिनव की बहन अभिमन्यु-अक्षरा को देखकर खुश नहीं होती है क्योंकि वह अपने भाई को मिस करती है। डांस प्रैक्टिस के दौरान तभी मामा जी आरोही को गलत टच करते हैं और आरोही को समझ आ जाता है। आरोही फैसला लेती है कि वह मामा जी को सबक सिखाएगी, लेकिन वह शादी की खुशी में कोई दिक्कत नहीं लाना चाहती। तभी अक्षरा वहां आ जाती है और वह समझ जाती है कि आरोही कुछ छिपा रही है। अक्षरा सच जानने के पीछे पड़ जाती है।एपिसोड में अगले दिन के फंक्शन मेहंदी की शुरुआत होती है जहां सभी ग्रीन कलर के कपड़ों में तैयार होते हैं। अभिमन्यु, अक्षरा को देखकर उसकी खूबसूरती में खो जाता है।

पोर्नोग्राफी केस पर पहली बार बोले राज कुंद्रा

वीडियो वायरल

राज कुंद्रा हाल ही में अपने दोस्त और कॉमेडियन मुनवर फारूकी के आग्रह पर 'इंडी हैबिटेट' के मंच पर नजर आए। इस बार भी राज कुंद्रा ने चेहरे पर मास्क पहना हुआ था। राज की ये धमाकेदार एंट्री धमाल लेकर आई। हाल ही में इस स्टैंडअप एक्ट का एक टीजर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राज ने खुद को मास्क मैन, शिल्पा के पति और सस्ता कान्ये वेस्ट के रूप में पेश किया, जिसे देखकर वहा बैठी भीड़ हंस पड़ी। इसके साथ ही राज ने अपने पुराने बिजनेस के बारे में कहा, '18 साल की उम्र में मैं लंदन में टैक्सी चलाता था, 21 साल की उम्र में मैंने पश्मीना शॉल बिजनेस में अपना नाम बनाया। मेरा काम हमेशा से कपड़े चढ़ाने का था, उतारने का नहीं।' राज के इस मजाक की सभी ने सराहना की। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने राज कुंद्रा को इस वीडियो पर ट्रोल किया है, कुछ ने उनके ह्यूमर की सराहना की तो कुछ ने कॉमेडियन मूनव्वर की आलोचना की। राज कुंद्रा का ये खास स्टैंडअप टीजर इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वर्ष 2021 में पोर्नोग्राफी मामले में फंसी एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा इस वक्त खबरों में हैं। जेल से बाहर आने के बाद राज अलग-अलग मुखौटे पहनकर मुंबई में घूमते हैं और इसी वजह से वह हमेशा लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। इसके चलते उन्हें 'मास्क मैन' नाम भी मिला है। उन पर अश्लील फिल्में बनाने का रैकेट चलाने का आरोप था। राज कुंद्रा के खिलाफ कई महिलाओं ने गवाही दी थी। हालांकि राज कुंद्रा आज जेल से बाहर हैं, लेकिन उन्होंने इस बीच साफ कर दिया था कि वह सिर्फ मीडिया ट्रायल की वजह से अपना चेहरा मास्क के पीछे छिपाते हैं। अब राज एक अलग वजह से खबरों में हैं। बिजनेस के अलावा राज एक बेहतरीन स्टैंड-अप कॉमेडियन भी हैं, इसका एहसास दर्शकों को हाल ही में हुआ है।